GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 16 भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य संबंध

Std 9 GSEB Hindi Solutions भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य संबंध Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. प्राचीन काल में भारतीय शिक्षा केन्द्र कैसे थे?
उत्तर :
प्राचीनकाल में भारतीय शिक्षाकेन्द्र एक प्रकार के आश्रम अथवा मंदिर जैसे थे।

प्रश्न 2. जब रवीन्द्रनाथ ठाकुर को नोबल पुरस्कार मिला तब बंगाली लोग कौन-सा राग आलापने लगे?
उत्तर :
जब रवीन्द्रनाथ ठाकुर को नोबल पुरस्कार मिला, तब है बंगाली लोग 'अमादेर ठाकुर, अमादेर कठोर सपूत' राग अलापने लगे।

प्रश्न 3. भगवान रामकृष्ण बरसों तक योग्य शिक्षा पाने के लिए क्या करते थे?
उत्तर :
भगवान रामकृष्ण परमहंस योग्य शिष्य पाने के लिए बरसों तक रो-रोकर भगवान से प्रार्थना करते थे।

प्रश्न 4. भगवान ईसा का कौन-सा कथन सदा स्मरणीय है?
उत्तर :
भगवान ईसा का यह कथन सदा स्मरणीय है- मेरे अनुयायी मुझसे कहीं अधिक महान हैं और उनकी जूतियां धोने लायक योग्यता भी मुझमें नहीं है।

प्रश्न 5. गांधीजी किन्हें. अच्छे लगते है?
उत्तर :
गांधीजी उन्हें अच्छे लगते हैं, जिनमें गांधीजी बनने की क्षमता है और जो उनका अनुसरण करना चाहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तार से उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. युरोप के प्रभाव के कारण आज गुरु-शिष्य संबंधो में क्या अंतर आया है?

उत्तर :

प्राचीन भारत में विद्यालय मंदिर के समान माने जाते थे। शिक्षा देना एक आध्यात्मिक कार्य था। पैसे देकर शिक्षा खरीदी नहीं जाती थी। शिष्य पुत्र से अधिक प्रिय होते थे। परंतु वर्तमान भारत में शिक्षा व्यावसायिक हो गई है। गुरु वेतनभोगी हो गए हैं। विद्यार्थी शुल्क देकर शिक्षा प्राप्त करते हैं। आज का शिष्य गुरु में परमेश्वर का रूप नहीं देखता। इस प्रकार यूरोप के प्रभाव के कारण आज गुरु-शिष्य संबंधों में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है।

प्रश्न 2. पुजारी की शक्ति मूर्ति में कैसे विकसित होने लगी?

उत्तर :

पत्थर की मूर्ति तो जड़ होती है। उसमें चेतना डालने का काम पुजारी करता है। मूर्ति की पूजा करने का अर्थ ही उसे चेतनवंत बनाना है। पूजा करते समय पुजारी की भावना में जितनी उत्कटता होगी, मूर्ति उतनी ही प्रभावशाली होगी। पुजारी की भावपूजा की शक्ति से हो धीरे-धीरे मूर्ति में शक्ति विकसित होने लगती है।

प्रश्न 3. विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर को इस देश में अधिक महत्त्व कब मिला?

उत्तर :

विवेकानंद रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे। आरंभ में उन्हें भारत में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त नहीं हुआ था। वे जब अमेरिका गए और उन्होंने वहाँ नाम कमाया, तब भारतवासियों ने उन्हें सम्मान देना शुरू किया। इसी प्रकार रवीन्द्रनाथ ठाकुर को यहां कोई नहीं जानता था। उन्हें जब नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया तब बंगालवासियों ने उनकी प्रतिभा पहचानी। वे बंगाल के नहीं, सारे देश के लिए गौरव बन गए। इस प्रकार विदेशों में सम्मानित होने पर ही विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर को इस देश में महत्व मिला।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1.सम्मान पानेवालों से सम्मान देनेवाले

उत्तर :

सम्मान पानेवाले अपने किसी विशेष गुण के कारण सम्मानित होते हैं। जैसे हीरे के गुण की पहचान की जाए तो ही वह बहुमूल्य है। यदि पहचाना न जाए तो वह भी एक पत्थर ही है। उसी तरह सम्मान पानेवालों की विशेषता को परख लिया जाए, पहचान लिया जाए तो ही वे सम्माननीय हैं, नहीं तो वे साधारण मनुष्य ही समझे जाएंगे। उनकी विशेषता को समझकर उन्हें प्रकाश में लानेवाले लोग ही उनका सम्मान करते हैं। इसलिए सम्मान पानेवाले से भी सम्मान देनेवाले अधिक महान होते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2. "जो गुरु से मार खाते हैं उनका भविष्य उज्जवल होगा ही।"

उत्तर :

पढ़ाई के लिए विद्यार्थी का ध्यान पढ़ाई में होना जरूरी है। गुरु पढ़ा रहा है और विद्यार्थी का ध्यान कहीं और है तो वह जो पढ़ाया जा रहा है उसे ग्रहण नहीं कर सकता। गुरु के मार से विद्यार्थी का ध्यान पढ़ाई में लग जाता है। इस तरह जब वह एकान होकर पढ़ता है तो उसे सचमुच ज्ञानप्राप्ति होती है, उसकी बुद्धि का विकास होता है और उसमें योग्यता आती है। ऐसा होने पर ही उसका भविष्य उज्ज्वल होने में संदेह नहीं रहता।

4. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :

प्रश्न 1. इसमें ओर मुजमें फरक ही कुछ नहीं है। (भविष्यकाल)

उत्तर :

इसमें और मुझमें फरक ही कुछ नहीं होगा।

प्रश्न 2. हम अपने शिष्यों से कम प्रमुख रहें। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर :

हम अपने शिष्यों से कम प्रमुख रहे थे।

प्रश्न 3. उपनिषदों में आचार्यों ने कहाँ है। (सामान्य भूतकाल)

उत्तर :

उपनिषदों में आचार्यों ने कहा।

5. मुहावरों का अर्थ देकर वाक्यप्रयोग कीजिए :

प्रश्न 1.

1. ताकते रहना

2. पसीने की कमाई

3. रंग जाना

उत्तर :

1. **ताकते रहना** - आश्चर्य से देखते रहना

वाक्य : मेरे हाथ में ट्रॉफी देखकर पिताजी मुझे ताकते रह गए।

2. **पसीने की कमाई** - कठिन परिश्रम का फल

वाक्य : इंजीनियरिंग की यह डिग्री मेरे पसीने की कमाई है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. **रंग जाना** - गहरा प्रभाव पड़ना

वाक्य : विदेश में रहकर वे वहीं के रंग में रंग गए।

6. विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. **रोगी × ....**
2. **असहाय × ....**
3. **वृद्ध × ....**

उत्तर :

1. निरोगी
2. सहाय
3. युवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in